उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी
(नैनीताल)

राजकीय महाविद्यालय बनबसा
(चम्पावत)

पुस्तक दान मेला

आयोजन अवधि
19 से 20 नवम्बर 2025

आयोजन स्थल
राजकीय महाविद्यालय
बनबसा

डॉ. आनंद प्रकाश सिंह
प्रोफेसर एवं प्राचार्य

डॉ. राजीव कुमार सक्सेना
प्रभारी

कार्यालय प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय बनबसा (262310)

जिला– चम्पावत (उत्तराखण्ड)
(सम्बद्ध)) सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय)
www.gdcbanbasa.org
Email ID: gdcbanbasa@gmail.com

राजकीय महाविद्यालय बनबसा में भव्य पुस्तक मेले का आयोजन: ज्ञान वितरण और साहित्य से जुड़ाव का अनूठा प्रयास

बनबसा (उत्तराखंड)। दिनांक: 19 नवंबर 2025

राजकीय महाविद्यालय बनबसा में आज, प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद प्रकाश सिंह जी के प्रेरणादायक सानिध्य में एक भव्य और अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तक मेले का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देना और उन्हें साहित्य व ज्ञान के विविध स्रोतों से जोड़ना था।

मुख्य अतिथि द्वारा उद्घाटन

पुस्तक मेले का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री बंशीधर उपाध्याय जी के कर कमलों द्वारा किया गया, जो स्वयं राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता हैं। श्री उपाध्याय जी ने दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् अपने संबोधन में कहा कि "पुस्तकें मनुष्य की सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं और ज्ञान का द्वार खोलती हैं। डिजिटल युग में भी किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और अधिक बढ़ गया है।" उन्होंने महाविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद प्रकाश सिंह जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यह पुस्तक मेला विद्यार्थियों को उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में महाविद्यालय का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने छात्रों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।

उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण

इस पुस्तक मेले का सबसे उल्लेखनीय पहलू उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय (UOU) की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण था। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विषय से संबंधित अध्ययन सामग्री (पुस्तकों) को निःशुल्क प्राप्त किया। निःशुल्क पुस्तक वितरण से विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को बहुत बड़ी सहायता मिली है, जिससे शिक्षा सबके लिए सुलभ हो सकेगी।

सफल आयोजन में शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सहयोग

पुस्तक मेले को सुचारू रूप से संचालित करने और सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों ने अमूल्य योगदान दिया।

शिक्षकों में: डॉ. भूपनारायण दीक्षित, डॉ. सुशीला आर्य, डॉक्टर दीप्ति कार्की जी, डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. राजीव कुमार, श्रीमती जयंती देवी, और श्रीमती कमला चड्ढा का सक्रिय सहयोग रहा। इन सभी ने पुस्तकों के चयन, स्टॉल व्यवस्थापन और छात्रों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षणेतर कर्मचारियों में: श्री त्रिलोक कांडपाल जी, नर् सोन श्री अमर सिंह, और श्री विनोद कुमार ने भी अपनी टीम के साथ मिलकर पंजीकरण, वितरण और संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था को कुशलतापूर्वक संचालित किया, जिससे पुस्तक मेले का कार्यक्रम निर्बाध रूप से सफलतापूर्वक चालू रहा।

यह पुस्तक मेला राजकीय महाविद्यालय बनबसा में ज्ञान और पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसने छात्रों को न केवल निःशुल्क अध्ययन सामग्री प्रदान की, बल्कि उन्हें ज्ञान के प्रति समर्पित हस्तियों से प्रेरणा लेने का भी अवसर दिया।

Rajeev Kv
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
बनबसा (चम्पावत)

Press Note

कार्यालयः प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)

दिनांकः 20/11/2025

प्रेस विज्ञप्ति

'उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय' के तत्वावधान में दिनांकः 19/11/2025 से महाविद्यालय में गतिमान "निःशुल्क पुस्तक दान मेला" आज दिनांकः 20/11/2025 को प्राचार्य, डॉ0 आनद प्रकाश सिंह जी के कर कमलों द्वारा कोमल पन्त, छात्रा उपाध्यक्ष को 03 पुस्तकें प्रदान कर सम्पन्न किया गया।

इस पुस्तक मेले में प्रथम दिन 45 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों की 111 (एक सौ ग्यारह) पुस्तकें प्राप्त कीं एवं अन्तिम दिन 14 (चौदह) विद्यार्थियों ने 35 (पैंतीस) पुस्तकों को अर्जित करने का लाभ प्राप्त किया।

इस पुस्तक मेले के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त श्री वंशीधर उपाध्याय जी कर कमलो द्वारा पुस्तक मेले का उदघाटन किया गया। उपाध्याय जी ने बताया कि पुस्तके मनुष्य की सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं और ज्ञान का द्वारा खोलती हैं। डिजिटल युग में भी किताबों का महत्व कम नही हुआ है बल्कि यह और अधिक बढ़ गया है।

प्राचार्य प्रोफेसर आनन्द प्रकाश सिंह जी ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि पुस्तक मेला विद्यार्थयों को उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिये आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में महाविद्यालय का एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ0 राजीव कुमार सक्सेना, समन्वयक–उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने विद्यार्थयों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया तथा उनसे बड़–चड़ कर भाग लेने और अपने विषय से सम्बन्धित अध्ययन सामग्री को निःशुल्क प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। उस पुस्तक मेले में विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को अपना बौद्धिक स्तर बढ़ाने में सहायता प्राप्त होगी ऐसी आशा व्यक्त की।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापक गण डॉ0 भूप नरायन दीक्षित, डॉ. सुशीला आर्या, डॉ0 सुधीर मलिक, डॉ0 दीप्ति कार्की, श्रीमती कमला चड्डा के साथ–2 कार्यालय के कार्मिक श्री त्रिलोक चन्द्र कांडपाल, श्री विनोद कुमार चन्द, श्री अमर सिंह, आदि के साथ–59 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Rajiv Kv.

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय बनबसा

चम्पावत

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
बनबसा (चम्पावत)

Press Note

विस्तृत आख्या

राजकीय महाविद्यालय बनबसा में भव्य पुस्तक मेले का आयोजनः ज्ञान वितरण और साहित्य से जुड़ाव का अनूठा प्रयासबनबसा (उत्तराखंड), 20 नवंबर 2025: राजकीय महाविद्यालय बनबसा में कल, प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद प्रकाश सिंह जी के प्रेरणादायक सानिध्य में एक भव्य और अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तक मेले का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस दो-दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देना और उन्हें साहित्य व ज्ञान के विविध स्रोतों से जोड़ना था।मुख्य अतिथि द्वारा उद्घाटन एवं प्रेरणास्पद संबोधनपुस्तक मेले का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री बंशीधर उपाध्याय जी के कर कमलों द्वारा किया गया, जो स्वयं राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता हैं। श्री उपाध्याय जी ने दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् अपने संबोधन में कहा कि "पुस्तकें मनुष्य की सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं और ज्ञान का द्वार खोलती हैं।

डिजिटल युग में भी किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और अधिक बढ़ गया है।" उन्होंने महाविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया।प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद प्रकाश सिंह जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यह पुस्तक मेला विद्यार्थियों को उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में महाविद्यालय का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने छात्रों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण रहा उल्लेखनीयइस पुस्तक मेले का सबसे उल्लेखनीय पहलू उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय (UOU) की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण था।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विषय से संबंधित अध्ययन सामग्री (पुस्तकों) को निःशुल्क प्राप्त किया। निःशुल्क पुस्तक वितरण से विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को बहुत बड़ी सहायता मिली है, जिससे शिक्षा सबके लिए सुलभ हो सकेगी।पुस्तक मेले का सफल समापन एवं आंकड़ेआज दिनांक 20 नवंबर 2025 को प्राचार्य, डॉ. आनंद प्रकाश सिंह जी के कर कमलों द्वारा छात्रा उपाध्यक्ष कोमल पन्त को 03 पुस्तकें प्रदान कर इस मेले का समापन सम्पन्न किया गया।इस पुस्तक मेले में प्रथम दिन 45 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों की 111 (एक सौ ग्यारह) पुस्तकें प्राप्त कीं। अंतिम दिन 14 (चौदह) विद्यार्थियों ने 35 (पैंतीस) पुस्तकों को अर्जित करने का लाभ प्राप्त किया। इस प्रकार, कुल 59 विद्यार्थियों ने मेले में भाग लेकर 146 पुस्तकों का लाभ उठाया। आयोजन में शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सहयोगपुस्तक मेले को सुचारू रूप से संचालित करने और सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों ने अमूल्य योगदान दिया।

शिक्षकों में: डॉ. भूप नरायण दीक्षित, डॉ. सुशीला आर्य, डॉक्टर दीप्ति कार्की जी, डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. राजीव कुमार, श्रीमती जयंती देवी, और श्रीमती कमला चड्ढा का सक्रिय सहयोग रहा। इन सभी ने पुस्तकों के चयन, स्टॉल व्यवस्थापन और छात्रों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. राजीव कुमार सक्सेना, समन्वयक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया। शिक्षणेतर कर्मचारियों में: श्री त्रिलोक कांडपाल जी, श्री अमर सिंह, और श्री विनोद कुमार ने भी अपनी टीम के साथ मिलकर पंजीकरण, वितरण और संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था को कुशलतापूर्वक संचालित किया, जिससे पुस्तक मेले का कार्यक्रम निर्बाध रूप से सफलतापूर्वक चालू रहा।यह पुस्तक मेला राजकीय महाविद्या लय बनबसा में ज्ञान और पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसने छात्रों को न केवल निःशुल्क अध्ययन सामग्री प्रदान की, बल्कि उन्हें ज्ञान के प्रति समर्पित हस्तियों से प्रेरणा लेने का भी अवसर दिया।

दैनिक जागरण
20.11.2025

डिजिटल युग में भी कम नहीं हुआ किताबों का महत्व

संसू, जागरण, बनबसा : राजकीय महाविद्यालय बनबसा में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य बंशीधर उपाध्याय व महाविद्यालय के प्राचार्य डा.. आनंद प्रकाश सिंह ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य उपाध्याय ने कहा कि पुस्तकें मनुष्य की सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं और ज्ञान का द्वार खोलती हैं। डिजिटल युग में भी किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और अधिक बढ़ गया है। यहां डा. भूपनारायण दीक्षित, डा. सुशीला आर्य, डा. दीप्ति कार्की, डा. सुधीर मलिक, डा. राजीव कुमार, जयंती देवी, कमला चड्ढा आदि मौजूद रहे।

मीडिया रिपोर्ट

संबंधित छायाचित्र

हिंदी

राजकीय महाविद्यालय बनबसा
उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निःशुल्क पुस्तक वितरण मेला

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्प
उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला

राजकीय महाविद्यालय ब
उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्प
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत (उत्तराखण्ड)
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

संबंधित छायाचित्र

संबंधित छायाचित्र

Shot on OnePlus
2025.11.19 10:56

उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025
on OnePlus
1.19 10:56

संबंधित छायाचित्र

विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025
Shot on OnePlus

on OnePlus

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविद्याल
निः शुल्क पुस्त
Shot on OnePlus
2025.11.19 10:58

राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
hot on OnePlus
25.11.19 10:58

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत
उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला

उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत (उत्तराखण्ड)
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

Reebok

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
नि: शुल्क पुस्तक वितरण मेला

संबंधित छायाचित्र

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
Shot on OnePlus

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला

संबंधित छायाचित्र

उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025
on OnePlus
120 12:54

उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025
hot on OnePlus
25.11.20 12:54

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविधालय बनबसा चम्पावत (उत्तराखण्ड)
उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)

संबंधित छायाचित्र

राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत (उत्तराखण्ड)
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025

संबंधित छायाचित्र

उत्तराखण्ड मुक्त
विश्वविद्यालय
राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत)
कोड नम्बर- 69
निः शुल्क पुस्तक वितरण मेला
दिनांक 19-20 नवम्बर 2025
Shot on OnePlus
2025.11.19 11:09